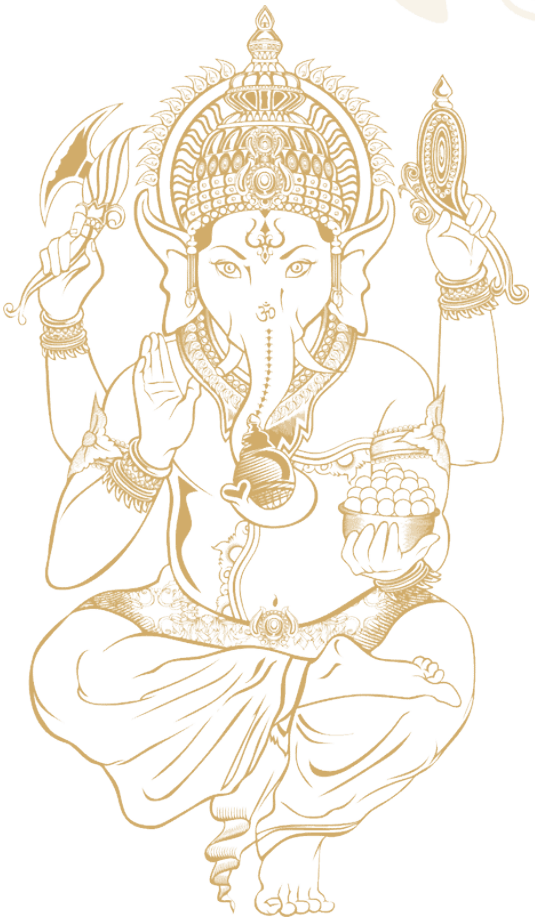

??????? ???????????

30 Dec 1970

04:00 AM

Pithoragarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120921106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/12/1970**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	52:21:43 घटी
स्थान	**Pithoragarh**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	29:35:00 उत्तर
रेखांश	80:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:50:48 घंटे
वेलान्तर	-00:01:50 घंटे
साम्पातिक काल	10:22:38 घंटे
सूर्योदय	07:03:18 घंटे
सूर्यास्त	17:18:52 घंटे
दिनमान	10:15:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:21:21 धनु
लग्न के अंश	03:00:17 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	03:00:17	305:17:27	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	14:21:21	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मक	04:12:06	14:26:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	21:17:53	00:38:02	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	धनु	11:08:05	01:20:16	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	03:44:03	00:11:33	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
शुक्र			तुला	29:40:26	00:47:35	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शनि	व		मेष	22:33:49	00:02:03	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	00:58:48	00:03:51	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:58:48	00:03:51	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	19:56:03	00:01:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	---
नेप			वृश्चि	08:28:25	00:01:55	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	06:15:02	00:00:06	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			सिंह	10:17:59	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:17

लग्न-चलित

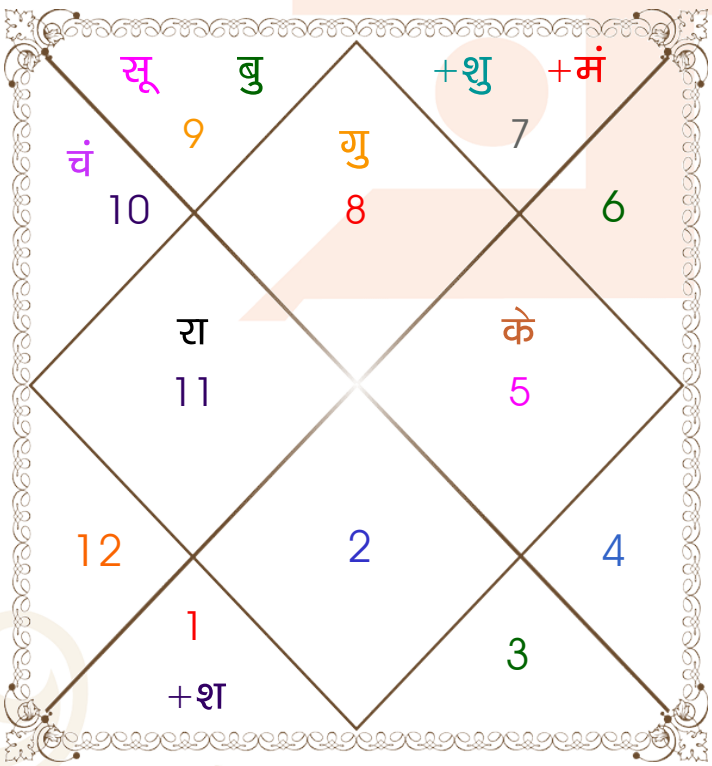

चन्द्र कुंडली

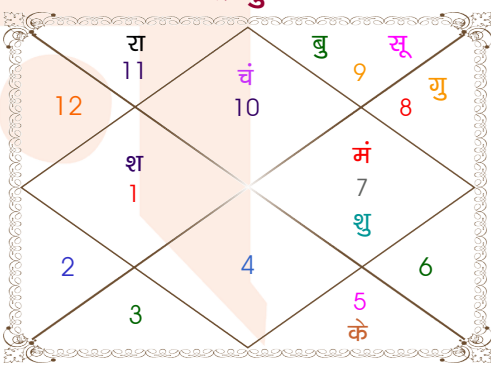

नवमांश कुंडली

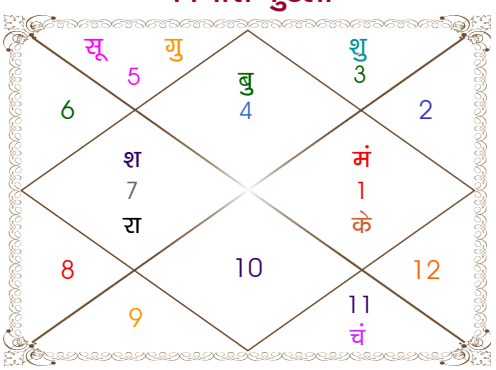

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 2 वर्ष 7 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/12/1970		09/08/1973		09/08/1983		09/08/1990		08/08/2008	
09/08/1973		09/08/1983		09/08/1990		08/08/2008		08/08/2024	
	00/00/0000	चंद्र	09/06/1974	मंगल	05/01/1984	राहु	21/04/1993	गुरु	27/09/2010
	00/00/0000	मंगल	08/01/1975	राहु	23/01/1985	गुरु	15/09/1995	शनि	09/04/2013
	00/00/0000	राहु	09/07/1976	गुरु	30/12/1985	शनि	22/07/1998	बुध	16/07/2015
	00/00/0000	गुरु	08/11/1977	शनि	08/02/1987	बुध	07/02/2001	केतु	21/06/2016
	30/12/1970	शनि	09/06/1979	बुध	05/02/1988	केतु	26/02/2002	शुक्र	20/02/2019
शनि	28/05/1971	बुध	08/11/1980	केतु	03/07/1988	शुक्र	25/02/2005	सूर्य	09/12/2019
बुध	03/04/1972	केतु	09/06/1981	शुक्र	02/09/1989	सूर्य	20/01/2006	चंद्र	09/04/2021
केतु	08/08/1972	शुक्र	08/02/1983	सूर्य	08/01/1990	चंद्र	22/07/2007	मंगल	16/03/2022
शुक्र	09/08/1973	सूर्य	09/08/1983	चंद्र	09/08/1990	मंगल	08/08/2008	राहु	08/08/2024

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/08/2024		09/08/2043		08/08/2060		09/08/2067		09/08/2087	
09/08/2043		08/08/2060		09/08/2067		09/08/2087		00/00/0000	
शनि	12/08/2027	बुध	05/01/2046	केतु	05/01/2061	शुक्र	09/12/2070	सूर्य	27/11/2087
बुध	21/04/2030	केतु	02/01/2047	शुक्र	07/03/2062	सूर्य	09/12/2071	चंद्र	27/05/2088
केतु	31/05/2031	शुक्र	02/11/2049	सूर्य	13/07/2062	चंद्र	09/08/2073	मंगल	02/10/2088
शुक्र	31/07/2034	सूर्य	08/09/2050	चंद्र	11/02/2063	मंगल	09/10/2074	राहु	27/08/2089
सूर्य	13/07/2035	चंद्र	08/02/2052	मंगल	10/07/2063	राहु	09/10/2077	गुरु	15/06/2090
चंद्र	10/02/2037	मंगल	04/02/2053	राहु	27/07/2064	गुरु	09/06/2080	शनि	30/12/2090
मंगल	22/03/2038	राहु	24/08/2055	गुरु	03/07/2065	शनि	09/08/2083		00/00/0000
राहु	26/01/2041	गुरु	29/11/2057	शनि	12/08/2066	बुध	09/06/2086		00/00/0000
गुरु	09/08/2043	शनि	08/08/2060	बुध	09/08/2067	केतु	09/08/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 2 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।